बरेली, शुक्रवार
4 नवंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO. 06 : TOP

कूच बिहार ट्राफी के मैच से बढ़ेगा खिलाड़ियों का मनोबल

12 से 15 नवंबर तक एसआरएमएस के मैदान पर होगा मुकाबला

जागरण संवाददाता, बरेली: बोर्ड आफ कंट्रोल फार क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआइ) ने पहली बार शहर को कूच बिहार ट्राफी के मैच की मेजबानी दी है। इसको लेकर शहर के खिलाड़ियों व क्रिकेट कोच में काफी उत्साह है। अंडर-19 कूच बिहार ट्राफी का आयोजन श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस) के मैदान पर होगा।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने इसकी जिम्मेदारी बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को दी है। 12 से 15 नवंबर के बीच होने वाले इस चार दिवसीय मैच में उत्तर प्रदेश और नागालैंड की टीमों के बीच मकाबला होगा। एसआरएमएस को मैच आवंटित करने से पहले बीसीसीआइ और यूपीसीए के पदाधिकारियों ने क्रिकेट मैदान का अवलोकन किया था। ग्राउंड के मानकों पर खरा उतरने के बाद मैच का आवंटन किया गया।

एसआरएमएस क्रिकेट मैदान • जागरण

स्टेडियम की खासियत

स्टेडियम में सभी प्रकार के रोलर, बालिंग मशीन, पवेलियन, टर्फ, मुख्य पिच के साथ ही आठ प्रैक्टिस पिचें उपलब्ध हैं। इसके अलावा स्टेडियम की दर्शकदीर्घा में करीब एक हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है।

कूच बिहार ट्राफी का मैच पहली बार बरेली में होने जा रहा है। इस मैच के बाद यहां के खिलाड़ियों में नई ऊर्जा पैदा होगी। सभी अकादमी के कोच से कहूंगा कि वे अपनी अकादमी के सभी बच्चों को यह मैच जरूर दिखाएं। -मोहम्मद यूसुफ, कोच

बरेली के इतिहास में पहली बार अंडर-19 कूच बिहार ट्राफी के मैच का आयोजन होने जा रहा है। इससे निश्चित ही बरेली के युवा खिलाड़ियों में काफी बदलाव आएगा और बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इसके लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन को बधाई देता हूं।
-अनुज शर्मा, कोच

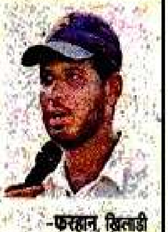

उत्तर प्रदेश और नागालैंड के बीच होने वाले मैच को लेकर हम काफी उत्सुक हैं। बीसीए और एसआरएमएस ने इतना बड़ा मैच यहां कराने के लिए काफी मेहनत की है। इससे भावी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। -फरहान, खिलाड़ी

बरेली में यह जो अंडर-19 मैच होने जा रहा है, उससे सभी खिलाड़ियों में उत्साह है। खिलाड़ियों की मानसिकता बदलेगी कि वह भी आगे अंडर-19 में अपने देश के लिए खेल सकें। अगर महिला क्रिकेट भी बरेली में होगा तो लड़कियां भी आगे निकलेंगी।
- शुभी नरेंद्र शर्मा, खिलाड़ी